प्रतिवेदन

गाँधी जयंती पर विशेष व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गाँधी जी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को दूर करने का लें संकल्प- सांसद डॉ. लता वानखेड़े

विश्वविद्यालय में हुआ गांधी जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और बुन्देली पगड़ी से किया सांसद का सम्मान

कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं। डॉ. गौर की बगिया के फूल पूरे विश्व में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है।

विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के लिए हर संभव सहयोग, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए हो सामूहिक प्रयास- सांसद

इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी। उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। उनका योगदान अमूल्य है। स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे।

गांधी जी के विचार चिर प्रासंगिक, उनके आदर्शों पर चलने का लें संकल्प- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे। स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते हैं जिसके कारण आज पूरा देश स्वच्छता को

लेकर सजग है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जो अभियान 2014 में शुरू हुआ वह आज साकार होता दिख रहा है। विश्वविद्यालय परिवार भी पूरे मनोयोग से इस संकल्प को साकार कर रहा है जिसमें स्वच्छता के प्रति

सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता संकल्प। साफ-सफाई और स्वच्छ परिसर के साथ स्वस्थ शरीर रखने के अभियान के साथ कार्य किया जा रहा है।

स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन में प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा कि गांधी अंतरात्मा की आवाज हैं। हम सबके भीतर उनके आदर्श विद्यमान हैं। हमें उनको पहचानने और आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवन शैली अपनानी चाहिए जो अपशिष्ट का निर्माण न करती हो। उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाकर आंतरिक शुद्धता और स्वच्छता रखने का आवाहन किया। प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अतिथि शिक्षक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

-----//-----

छाया चित्र वीथिका

गाँधी जयन्ती समारोह

अभिनंदन समारोह
गाँधी जयन्ती - 2 अक्टूबर 2024
डॉ. लता वानखेड़े
माननीया सांसद, सागर
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

दैनिक भास्कर

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने सांसद के रूप में लगातार प्रयासरत हूं : लता

विश्वविद्यालय में व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान हुआ

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गांधी पथ विषय पर विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. लता वानखेड़े थीं। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. वानखेड़े ने कहा अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर गौरवान्वित एवं अभिभूत हूं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधीजी के विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, पगड़ी, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. वानखेड़े का सम्मान किया।

डॉ. वानखेड़े ने कहा सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूं कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे। स्वागत भाषण में प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा गांधी अंतरात्मा की आवाज हैं। हम सबके भीतर उनके आदर्श विद्यमान हैं। आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने माना।

गांधीजी के आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे: कुलपति

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा गांधीजी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे। स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते हैं जिसके कारण आज पूरा देश स्वच्छता को लेकर सजग है।

आयोजन । डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे

गाँधीजी के विचारों को आत्मसात करने का लें संकल्प: सांसद लता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी। उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। उनका योगदान अमूल्य है। स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन में प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा कि गांधी अंतरात्मा की आवाज हैं। हम सबके भीतर उनके आदर्श विद्यमान है। हमें उनको पहचानने और आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवन शैली अपनानी चाहिए जो अपशिष्ट का निर्माण न करती हो। उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाकर आंतरिक शुद्धता और स्वच्छता रखने का आवाहन किया। प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अतिथि शिक्षक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। .

गाँधी जी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को दूर करने का लें संकल्प- सांसद डॉ. लता वानखेड़े

विश्वविद्यालय में हुआ गांधी जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान

परिहार गर्जना न्यूज। सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और बुन्देली पगड़ी से किया सांसद का सम्मान

कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं। डॉ. गौर की बगिया के फूल पूरे विश्व में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है।

विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के लिए हर संभव सहयोग, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए हो सामूहिक प्रयास- सांसद

इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी। उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। उनका योगदान अमूल्य है। स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे।

गांधी जी के विचार चिर प्रासंगिक, उनके आदर्शों पर चलने का लें संकल्प- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे। स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते हैं जिसके कारण आज पूरा देश स्वच्छता को लेकर सजग है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जो अभियान 2014 में शुरू हुआ वह आज साकार होता दिख रहा है। विश्वविद्यालय परिवार भी पूरे मनोयोग से इस संकल्प को साकार कर रहा है जिसमें स्वच्छता के प्रति सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता संकल्प। साफ-सफाई और स्वच्छ परिसर के साथ स्वस्थ शरीर रखने के अभियान के साथ कार्य किया जा रहा है। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन में प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा कि गांधी अंतरात्मा की आवाज हैं। हम सबके भीतर उनके आदर्श विद्यमान हैं। हमें उनको पहचानने और आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवन शैली अपनानी चाहिए जो अपशिष्ट का निर्माण न करती हो। उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाकर आंतरिक शुद्धता और स्वच्छता रखने का आवाहन किया। प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अतिथि शिक्षक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में हुआ विशेष व्याख्यान, सांसद लता वानखेडे का सम्मान

गाँधी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को दूर करने का लें संकल्पः सांसद

विजय मत, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता

को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं। डॉ. गौर की बगिया के फूल पूरे विश्व में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी। उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। उनका योगदान अमूल्य है। स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे। स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते है।

विवि में हुआ गांधी जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान

गाँधी जी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को करें दूर : वानखेड़े

सुमन प्रकाश ■ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और बुन्देली पगड़ी से किया सांसद का सम्मान

कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं।

पत्रिका

गांधी जी के विचारों को आत्मसात कर विकृतियों को दूर कर सकते हैं

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि में महात्मा गांधी की जयंती पर बुधवार को स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गांधी पथ विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरिसिंह गौर विवि में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के लिए हर संभव सहयोग करेंगे। डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर हमारा देश आजाद हुआ था।

गांधी जी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को दूर करने का लें संकल्प : सांसद

सागर(एसबीन्यूज)। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और बुन्देली पगड़ी से किया सांसद का सम्मान – कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं। डॉ. गौर की बगिया के फूल पूरे विश्व में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है।

इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी। उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। उनका योगदान अमूल्य है। स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे। स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते हैं जिसके कारण आज पूरा देश स्वच्छता को लेकर सजग है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जो अभियान 2014 में शुरू हुआ वह आज साकार होता दिख रहा है। विश्वविद्यालय परिवार भी पूरे मनोयोग से इस संकल्प को साकार कर रहा है जिसमें स्वच्छता के प्रति सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता संकल्प। साफ-सफाई और स्वच्छ परिसर के साथ स्वस्थ शरीर रखने के अभियान के साथ कार्य किया जा रहा है। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन में प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा कि गांधी अंतरात्मा की आवाज हैं। हम सबके भीतर उनके आदर्श विद्यमान हैं। हमें उनको पहचानने और आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवन शैली अपनानी चाहिए जो अपशिष्ट का निर्माण न करती हो। उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाकर आंतरिक शुद्धता और स्वच्छता रखने का आवाहन किया। प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अतिथि शिक्षक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।.

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in